केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 278 रविवार 3 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्यः3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

समाधान दिवस में 8 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददात

बस्ती । जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील हर्रैया में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसमें अपर जिलाधिकारी ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा समय से निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने राजस्व वादों के निस्तारण हेतु कानूनगो एवं लेखपाल को निर्देशित किया कि विवादित स्थल पर पहुँचने से पहले फरियादियों को अवगत कराते हुए दोनों पक्षों को गम्भीरतापूर्वक सुनें तथा सुनने के पश्चात् गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्षता के साथ वादों का निस्तारण करें।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कान्त ने भी आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना। उन्होने थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि फरियादियों की समस्याओं का त्वरित व निष्पक्षता के साथ उनके विवादों का निस्तारण किया जाय। उप जिलाधिकारी हर्रैया सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 69 मामले प्राप्त हुए, जिसमें से 08 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग के 32, पुलिस के 14, विकास के 12, विद्युत के 09 तथा अन्य के 02 मामलें आये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएओ डा. शिरीन, सीएमओ डा. राजीव निगम, पीडी राजेश कुमार, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा. ए.के. गुप्ता, एलडीएम आर.एन. मौर्या, समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, डीसीओ अंगद सिंह, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा तथा विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

गन्ना सर्वे शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बजाज चीनी मिल रुधौली अंतर्गत ग्राम हटवा बहादुरपुर मजहुआ हनुमानगंज के गांव में गन्ना सर्वे कार्य का निरीक्षण चीनी मिल के इकाई प्रमुख डॉ जेपी त्रिपाठी साथ में महाप्रबंधक गन्ना शैलेंद्र कुमार मिश्रा उप महाप्रबंधक गन्ना अनिल शुक्ला गन्ना प्रबंधक अरविंद द्विवेदी इंजीनियरिंग हेड श्रवण कुमार चौहान प्रोडक्शन हेड मनोज तिवारी और गेट इंचार्ज राजेश सिंह के साथ गन्ना सर्वे प्लांट पर उपस्थित हुए इकाई प्रमुख ने गन्ना सर्वे कार्य को देखा और सर्वे के संबंध में जानकारी लिया इकाई प्रमुख ने कहा कि सभी गन्ना प्लांट का सर्वे किया जाएगा।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति मे मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती)। नगर थाना क्षेत्र के टेमा मे एक 28वर्षीय गर्भवती महिला की छत की कुंडी से दुपट्टे के सहारे लटक कर संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत होने से हडकंप मच गया। डॉक्टर ने उस मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजनों ने बेटी की हत्या का आरोप लगाया और कहा कि दहेज की मॉग को लेकर उसकी हत्या की गई है।

नगर थाना क्षेत्र के ग्राम टेमा निवासी अजय चौहान पुत्र सत्य देव चौहान की शादी छः वर्ष पूर्व साधना चौहान पुत्री राम चरन चौहान निवासी सुरैनी थाना खजनी जनपद गोरखपुर के साथ हुई थी। जिनसे एक चार वर्षीय बेटी इंजल है।

प्रेमिका ने किया प्रेमी को जलाकर मार डालने की कोशिश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी, (बस्ती)। मुण्डेरवा थानाक्षेत्र के बरहुंवा गांवमें प्रेमिका ने प्रेमी राम चन्दर गुप्ता को घर के अंदर सोते समय जान से मार डालने की नियत से आग लगा कर बाहर से फाटक की कुंडी लगा दिया।किसी तरह से उसकी जान बची। प्रेमिका का मायका कलवारी थाना क्षेत्र के मेनिया गांव में है।

जज का फंदे से लटका मिला शव

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के जज अमन कुमार शर्मा ने आत्महत्या कर ली है। शनिवार को सफदरजंग इलाके में उनका शव फंदे से लटका मिला। जानकारी के मुताबिक थाना सफदरजंग एन्क्लेव को एक पीसीआर कॉल मिली जिसमें आत्महत्या के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस को जानकारी दी गई कि 30 साल के अमन कुमार शर्मा ने अपने आवास पर सुसाइड कर लिया है। वह दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में डीएएसएस के पद पर तैनात थे। घटना की जानकारी अमन के जीजा शिवम ने दी। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले में जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

श्रमिकों को मिले उनका अधिकार, सुविधायें–डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददात–

बस्ती । विश्व श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में कबीर साहित्य सेवा संस्थान अध्यक्ष सामईन फारुकी के संयोजन में कलेक्ट्रेट परिसर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भारत सहित विश्व स्तर पर मजदूर लगातार मजबूर होता जा रहा है।

गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि जिस दिन देश के मजदूर शिकागो के अमर शहीदों के बलिदान को आत्मसात कर लेंगे दुनियां से मजदूरों पर होने वाले जुल्म, अत्याचार समाप्त होने लगेगा। अब समय आ गया है कि श्रमिकों को उनका अधिकार मिले।

वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने दुनियां में आ रहे बदलाव, पूंजीपतियों द्वारा शोषण, श्रमिक कानूनों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि भारत के श्रमिक सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। एकजुटता से ही श्रमिकों की समस्या का समुचित हल हो सकेगा।

अध्यक्षता करते हुये साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि जब तक श्रमिक वर्ग आपस में बिखरा रहेगा समस्याओं का हल निकलना संभव नहीं है।

गोष्ठी में बाबूराम वर्मा, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, डा. अफजल हुसैन, बी.के. मिश्र, आदि ने कहा कि सरकार और मालिकानों की भूमिका श्रमिकों के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। नये श्रम कानूनों ने श्रमिकों का संकट बढा दिया है। संविदा की नौकरियां युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ है। इसे बंद किया जाना चाहिये।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीपक सिंह प्रेमी, डा. वाहिद सिद्दीकी, नीरज वर्मा, दीनानाथ यादव, अनुरोध श्रीवास्तव, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, चन्द्रमोहन लाल, छोटेलाल वर्मा, अमरपाल, संजीव पाण्डेय, बालकृष्ण चौधरी, दीन बंधु उपाध्याय, दीपक श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

महिला से मारपीट और निर्वस्त्र करने के मामले में दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर थाना क्षेत्र के बुढौवा निवासी रामसुरेश मौर्या पुत्र तिलकराम मौर्या ने बहू भोज कार्यक्रम के दौरान गाड़ी खड़ी कर दिए जाने के मामले में विवाद के बाद, महिला के साथ मारपीट मामले में पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों की गिरफ्तारी और मामले में संगीन धाराओं को जोड़े जाने की मांग किया है।

रामसुरेश मौर्या ने एसपी को दिये पत्र में कहा है कि उनके घर बहू भोज का कार्यक्रम था। उस दौरान विवाद हुआ। खेत में गाड़ी खड़ी करने व पति के साथ इलाज कराने जा रही महिला के साथ मारपीट करने व निर्वस्त्र करने की कोशिश करने के आरोप में एक पक्ष की तहरीर पर गौर पुलिस ने आरोपी रविंद्र कुमार यादव, राम आशीष यादव, अंकित कुमार, अंकुश यादव, पंकज यादव के खिलाफ मारपीट सहित कई गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गौर थाना के बुढौवा निवासी पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया है कि 29 अप्रैल को घर पर बहुभोज का कार्यक्रम था। रिश्तेदार आए थे। बगल में विपक्षी का खेत था, उसी में कुछ लोग खाली खेत देखकर गाड़ी खड़ी कर दिए। तभी गांव के रविंद्र कुमार यादव एवं उनके परिवार के लोग लाठी डंडा लेकर गाली देते हुए खेत से गाड़ी हटाने को लेकर कहासुनी करने लगे। वहां मौजूद कुछ लोगों ने उस दिन दोनों पक्षों को समझा बुझाकर मामले को शांत कर दिया। आरोप है कि दूसरे दिन सुबह वह अपने एक रिश्तेदार के साथ पत्नी और बच्चे को लेकर इलाज करने जा रहे थे, तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे रविंद्र कुमार के परिवार के लोग रोकने की कोशिश करने लगे। गाड़ी न रोकने पर आरोपियों ने बाइक पर पीछे बैठी पत्नी की साड़ी पड़कर खींच ली, जिससे साड़ी खुल गई और नीचे गिर गई। विपक्षी ने लोहे की रॉड से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामला तो दर्ज कर लिया किन्तु दोषियों की गिरफ्तारी नहीं की गई। उसकी बहू सरस्वती मौर्या, पुत्र पंकज कुमार मौर्या जिला अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं।

रामसुरेश मौर्या ने एसपी से मामले में कड़ी कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

4 मई को दूसरा विवाह करने जा रहा है पतिः विवाहिता ने एसपी से किया अवैध विवाह रोकवाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पहली पत्नी से बिना विवाह विच्छेद के पति द्वारा आगामी 4 मई को दूसरा विवाह करने के तैयारी का मामला सामने आया है। विवाहिता ने पुलिस अधीक्षक समेत अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर दूसरा विवाह रुकवाने की मांग किया है।

वाल्टरगंज थाना क्षेत्र की शेखपुरा निवासिनी खुशबू पत्नी मंगल कुमार ने उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में कहा है कि उसका विवाह पिता राकेश कुमार निवासी पड़री थाना रुधौली द्वारा विगत 3 जून 2019 को धूमधाम से मंगल कुमार के साथ हुआ था। उसका पति मंगल कुमार आये दिन पत्नी खुशबू को मारता पीटता था। आये दिन उत्पीड़न के कारण खुशबू अपने पिता के पास रह रही है। उसने अपने पति मंगलकुमार, देवर वृजेश कुमार के विरूद्ध वाल्टरगंज थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया है और प्रकरण परिवार न्यायालय में लम्बित है। उसका पति बिना विवाह विच्छेद के आगामी 4 मई को कोलगंज थाना क्षेत्र के खदरा में घनश्याम की पुत्री रेखा से दूसरा विवाह करने जा रहा है। पत्र में खुशबू ने कहा है कि इस शादी को रेखा की माता प्रभावती देवी, पिता घनश्याम, मौसी रंगीता, बहन सीमा जबरिया विवाह करा रहे हैं। उसने मांग किया है कि बिना विवाह विच्छेद के मंगल कुमार की शादी अवैध है। इसे तत्काल प्रभाव से रोकवाया जाय और दोषियों के विरुद्ध उचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराकर उसे न्याय दिलाया जाय।

जयन्ती पर याद किये गये महापद्म नंदः योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को ऑल इण्डिया महापद्मनन्द कम्युनिटी एजुकेटेड एशोसिएशन 'ए आई एम सी ई ए' जिलाध्यक्ष आलोक ठाकुर के संयोजन में प्रेस क्लब सभागार में नन्द बंश के संस्थापक प्रथम चक्रवर्ती सम्राट महापद्म नन्द को जयन्ती के उपलक्ष्य में याद किया गया।

मुख्य अतिथि एशोसिएशन के प्रदेश संगठन सचिव डॉ. हरिकेश नन्दबंशी ने कहा कि महापद्म नंद पूरे भारत पर एकछत्र राज करने वाले महान शासक थे, जिन्होंने नंदवंश की स्थापना की और शासन में क्षत्रिय वर्ग के एकाधिकार को समाप्त किया। सम्राट महापद्म नंद की शक्ति के कारण ही सिकंदर जैसे विश्व विजेता को भी मगध से वापस लौटना पड़ा था। नयी पीढी को उनके विरासत से जोड़ने की जरूरत है।

मुख्य वक्ता जिला संरक्षक ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने कहा कि महापद्म नंद केंद्रीय शासन प्रणाली का जनक थे। उनके विचार आज भी प्रासंगिक है। उन्होने नंद राजाओं के काल में मगध साम्राज्य की प्रगति पर प्रकाश डालते हुये अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने का आग्रह किया।

कार्यक्रम को ई.राम सहाय वर्मा, प्रभुनाथ शर्मा, डा. कैलाश चन्द्र शर्मा, राम प्रवेश, अभिषेक शर्मा, विजय शर्मा, इ. संजय शर्मा, राजेश शर्मा, जामवन्त ठाकुर, अनिल शर्मा, अभिनन्दन शर्मा आदि ने सम्बोधित करते हुये महापद्म नंद के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता शोभाराम ठाकुर और संचालन बाबा ठाकुर ने किया।

जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से घनश्याम ठाकुर, ओंकार शर्मा, मनोज कुमार मौर्य, रवि शर्मा, रामकिशोर ठाकुर, सत्येन्द्रनाथ शर्मा, धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, राधेश्याम शर्मा, चन्द्र प्रकाश गौतम, मुकेश ठाकुर, सुरेश शर्मा, रामकिशन शर्मा, लार्दन ठाकुर के साथ ही एशोसिएशन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

–महापद्म नंद की विरासत से नयी पीढी को जोड़ने की जरूरत-डॉ. हरिकेश नन्दबंशी

प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के चेयरमैन

नई दिल्ली (आभा)। प्रसिद्ध गीतकार प्रसून जोशी को प्रसार भारती का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि प्रसून जोशी भारतीय सिनेमा जगत का एक जाना–माना चेहरा हैं। उन्होंने सिनेमा से लेकर विज्ञापन जगत और साहित्य तक अपनी छाप छोड़ी है। प्रसून जोशी की कलम से कई शानदार और यादगार गीत निकले हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहाकि प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई। प्रसून जोशी बेहद क्रिएटिव हैं, जिनकी विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा में पूरी दुनिया में तारीफ हुई है। इसके बावजूद उनका दिल लगातार भारत के लिए धड़कता रहता है।

वैष्णव ने कहा कि जोशी के शब्द देश की मिट्टी की खुशबू रखते हैं। उनकी दृष्टि भारतीय संस्कृति के सुनहरे अतीत का दर्शन कराती है। मंत्री ने आगे लिखा कि प्रसून जोशी के नेतृत्व में, प्रसार भारती नई ऊर्जा, गहरी उद्देश्य और एक ताजा रचनात्मक आवाज खोजेगा।

जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार के साथ अभद्रता मामले में धरना जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बाढ कार्य खण्ड बलरामपुर में अधिशासी अभियन्ता की उपस्थिति में उनके कक्ष में खण्ड में कार्यरत जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार, पर विभाग के ही दबंग कर्मियों प्रारूपकार राजेश कुमार और वरिष्ठ सहायक विकास माथुर, अभिषेक मिश्र, शैलेन्द्र आदि द्वारा जान लेवा हमला मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर शनिवार को भी धरना जारी रहा। निर्णय लिया गया कि मांगे न मानी गई तो 4 मई सोमवार को गोरखपुर स्थित मुख्य अभियन्ता कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

सिविल डिफेन्स इन्जीयर्स संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर संघ के अतिरिक्त महासचिव पूर्वी क्षेत्र ई. रवि यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों और अभियन्ताओं ने अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय के समक्ष धरना जारी रहा। रवि यादव ने कहा कि धरने के कारण बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर अयोध्या आदि जनपदों में विभागीय कार्य प्रभावित है किन्तु अधीक्षण अभियन्ता गण्डक बाढ मण्डल बस्ती एवं मुख्य अभियन्ता गण्डक गोरखपुर चुप्पी साधे हुये हैं। मांग किया कि मामले में दोषियों को गिरफ्तार कर न्याय दिलाया जाय।

शनिवार को धरने में देवी पाटन मण्डल के मण्डल अध्यक्ष इ. हंसराज, उप महासचिव इ. सुनील, इ. राजमल वर्मा, इ. रामसमार, ई. भानु प्रताप, अमरेन्द्र पटेल, संजीव पटेल, रजनीकान्त राय, आशीष कुमार, तारकेश्वर प्रसाद, विनोद यादव, राघेश्याम भारती, शिवपाल यादव, धर्मेन्द्र कुमार दूबे, जितेन्द्र कुमार, रवि कुमार मौर्या, गुरु प्रसाद सन्त, मंगलराम, अविनाश भारती, अमरेन्द्र पटेल, अजीत यादव, भोलेन्द्र यादव, सुभाष सिंह, ध मेन्द्र, आर.के. सरोज के साथ ही अनेक इंजीनियरों ने जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार के साथ अभद्रता की घटना पर रोष व्यक्त किया। मांग किया कि इस मामले में दोषियों के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। जब तक न्याय नहीं मिल जाता चरणबद्ध रूप में आन्दोलन जारी रहेगा।

बुद्ध महोत्सव में वक्ताओं ने दिया प्रेम, करूणा, शांति, शिक्षा के मार्ग का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में डॉ. अम्बेडकर पार्क 'बुद्ध विहार' मड़वानगर में बुद्ध महोत्सव का आयोजन किया गया।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर महिला सुधार एवं जनकल्याण समिति की संस्थापिका सरोज देवी, श्यामा देवी, अमिता बौद्ध एवं शकुंतला के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा बुद्ध के संदेशों पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने भगवान बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

संचालन करते हुये भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आर. के. आरतियन ने कहा कि महात्मा बुद्ध का जीवन प्रेम, करूणा को समर्पित रहा। उनका जन्म, ज्ञान प्राप्ति और निर्वाण भी पूर्णिमा के ही दिन हुआ।

बुद्ध महोत्सव की अध्यक्षता करते हुए हरीराम राव ने भगवान बुद्ध के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाने का कार्य भगवान बुद्ध ने किया, जो आज भी प्रासंगिक है।

सम्मेलन में धम्मदेशना बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क के जिला प्रभारी भिक्खु प्रज्ञानन्द द्वारा दिया गया। उन्होंने बुद्ध के धम्म और उनके सिद्धांतों को विस्तार से समझाया। मुख्य अतिथि राम सेवक बौद्ध ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए लोगों से अपने बच्चों को शिक्षित बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में भीम दयाल, किशोरी लाल, बहुजन मुक्ति पार्टी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम, तिलकराम गौतम एवं नीलू निगम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बुद्ध के आदर्शों को अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रामचेत, बुद्ध प्रकाश एडवोकेट, अमित बौद्ध, एडवोकेट सरिता भारती, महेन्द्र कुमार एवं चन्द्र प्रकाश गौतम ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश मानवता, समानता और शिक्षा पर आधारित है, जिसे अपनाकर समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में आस्था गौतम, मालती, शकुंतला देवी, रामरति, जगजीवन गौतम, अवनीश गौतम, शशिकांत, बलराम यादव, प्रतीक प्रताप, श्रवद कुमार, ओम प्रकाश, सुरेश, राम सुरेश सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाय समाजवादी– महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मतदाता सूची के गहन निरीक्षण, छूटे हुये लोगों का नाम जुड़वाने, संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर मतदाता सूची और एसआईआर की समीक्षा आदि बिन्दुओं पर विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि पदाधिकारी और कार्यकर्ता अभी से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाय। बूथवार मतदाता सूची का गहन निरीक्षण कर ले और खामियों को तत्काल प्रभाव से दूर कराया जाय। कहा कि ध्यान रहे कि कोई पात्र मतदाता चुनाव में मतदान से वंचित न रहने पाये।

मासिक बैठक को पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल' मो. स्वालेह, दयाशंकर मिश्र, पूर्व विधायक राम जियावन, मो. सलीम, गीता भारती, राजेन्द्र चौधरी, समीर चौधरी अभिषेक यादव, आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि देश और प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के मनमाना कारगुजारियों से ऊब चुकी है। लोग बदलाव के पक्ष में है ऐसे में पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनहित के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करने के साथ ही जरूरतमंदों का सहयोग करें और उन्हें पार्टी के नीति, कार्यक्रमों से जोड़े। पूरा प्रयास करें कि कोई मतदाता छूटने न पाये।

बैठक में सौरभ मिश्र, मुरलीधर पाण्डेय, संजय गौतम, राम सिंह यादव, आर.डी. निषाद, राहुल सिंह, गुलाब सोनकर, आर.डी. गोस्वामी, अजय यादव, विजय लक्ष्मी, बबिता सिंह, सुशीला, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर यादव, अकबर अली, रामशंकर निराला, जहीर अंसारी, सूर्य प्रताप सिंह, राज मोहन सिंह, भोला सिंह, पंकज निषाद, राजेन्द्र चौरसिया, दीनानाथ चौरसिया, घनश्याम यादव, नितराम चौधरी, हनुमान चौधरी, हरि प्रसाद चौधरी, देवनाथ यादव, सुशील यादव, फौजदार यादव, राम सुरेश सोनकर, आदित्य विक्रम यादव,सिंह, लालमणि चौहान, नदीम तबरेज, रणजीत यादव, जोखूलाल यादव के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे। बैठक के अंत में सपा नेता अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष अब्दुल कयूम के माता के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

–मासिक बैठक में बूथवार मतदाता सूची के सघन निरीक्षण पर जोर

पांचवीं पुण्य तिथि पर याद किये गये शिक्षक मोहम्मद खालिदः योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विकास खंड बनकटी अध्यक्ष अभय सिंह यादव एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष दुर्गेश राव के संयुक्त अध्यक्षता में संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय बनकटी के पूर्व प्रधानाध्यापक एवं ब्लाक ईकाई के पूर्व मंत्री स्वर्गीय मोहम्मद खालिद के पांचवीं पुण्य तिथि पर संविलीकरण विद्यालय बनकटी पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया ।

श्रद्धांजलि सभा का संचालन संगठन के मंत्री तथा विद्यालय के वर्तमान प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर शर्मा ने किया श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुये संघ के अध्यक्ष अभय सिंह यादव ने कहा कि स्वर्गीय मोहम्मद खालिद एक आदर्श शिक्षक थे। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है उनके द्वारा तमाम पढ़ाये हुए छात्र उच्च पदों पर पदासीन है सबको साथ लेकर चलना आपसी सामंजस्य को मधुर बनाना उनका मुख्य लक्ष्य रहता था।

श्रद्धांजलि सभा को संरक्षक रामचन्द्र शुक्ल उपाध्यक्ष, कृष्ण बिहारी पाण्डेय ब्लॉक व्यायाम शिक्षक राम अबैबर चौधरी, आदित्यनाथ त्रिपाठी, मोहम्मद इकबाल, मारुफ खान, मंजेश राजभर, सौरभ त्रिपाठी, एवं मोहम्मद कामरान ने भी संबोधित करते हुये शिक्षक मोहम्मद खालिद के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से चन्द्रभूषण यादव, जसवंत कुमार, अरविंद यादव, दिग्विजय नाथ यादव, राज्य लक्ष्मी अग्रहरि, अनुपम यादव, दयानन्त, जाकिरा खातून खुशबू सौरभ कुमार त्रिपाठी वीरेंद्र प्रताप सिंह दीपक कुमार चौरसिया, अभिराम, उमराव, विपिन कुमार त्रिपाठी, दिनेश कुमार, अनिल कुमार, गौरव चौधरी, सुधिर सिंह सहित अनेक लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शिक्षक मोहम्मद खालिद के योगदान को सराहा। कहा कि उन्होने सुयोग्य छात्रों की एक पीढी तैयार किया।

–सदैव याद किया जायेगा शिक्षा क्षेत्र में मोहम्मद खालिद का योगदान–अभय सिंह यादव

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 मई 2026 रविवार

सम्पादकीय

चुनाव तक सिमटता लोकतंत्र

लोकतंत्र दलीय राजनीति और हार–जीत के आंकड़ों में उलझता जा रहा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के मूल स्वरूप के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं है। लोकतंत्र के अपने अलग मायने हैं और उसे सिर्फ दलीय आधार पर आकलन कर लेना उसकी मूल भावना की अभिव्यक्ति कदापि नहीं है। इसे विराट सन्दर्भो में देखना होगा।

भारत में लोकतंत्र को सिर्फ चुनावों के आयोजन में बदल देने, और राजनीतिक जीवन को "राजनीतिक समाज"–आबादी का वह उप–समुच्चय जो नीतियां तय करने में और लोक–कल्याण को लोगों तक पहुंचाने की मध्यस्थता में सक्रियतापूर्वक लगा होता है तक सीमित करने की प्रवृत्ति है। यह एक ऐसे लोकतंत्र की ओर इशारा करता है, जो विचार–विमर्श वाले या गहरी सहभागिता वाले मॉडल के स्तर तक नहीं पहुंच पाता। यहां तक कि तमिलनाडु और केरल जैसे सामाजिक–आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति वाले राज्यों में भी। फिर भी, चुनाव कोई एक बार होने वाली घटना नहीं हैं और मतदान प्रतिशत इस लोकतांत्रिक कसरत की जीवंतता के लिए एक उपयोगी मापक बना हुआ है। खासकर भारत में, जहां गरीब तबके बड़ी तादाद में वोट डालते हैं। इस लिहाज से देखें तो पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान और तमिलनाडु से जो मुख्य आंकड़े आये हैं, वे हैरान करने वाले और अभूतपूर्व लगते हैं। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनंतिम आंकड़ों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में 93.2 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाला और तमिलनाडु में 85.1 फीसदी ने। इन रिकॉर्ड आंकड़ों की व्याख्या निर्वाचन आयोग के उस विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की पृष्ठभूमि में की जानी चाहिए, जिसके चलते भारी संख्या में मतदाताओं के नाम हटे। तमिलनाडु में, मतदाता सूची एसआईआर के पहले की संख्या के मुकाबले 10.5 फीसदी सिकुड़ गयी, जबकि पश्चिम बंगाल में तकरीबन 13 फीसदी मतदाताओं के नाम हटाये गये, जिनमें से लाखों मतदाताओं की पात्रता पर ट्रिब्यूनलों में अब भी सुनवाई हो रही है। अगर इस पहलू को शामिल किया जाए, तो यह मतदान प्रतिशत घटे हुए 'हर' (कुल मतदाता) की वजह से बढ़ा दिखने लगता है, न कि सचमुच बढ़ी भागीदारी ('अंश') की वजह से। तमिलनाडु में मतदान में कुल संख्यात्मक वृद्धि दृ अंतरिम आंकड़ों के आधार पर लगभग 27 लाख , दरअसल हालिया चुनावी चक्रों में हुई सबसे कम वृद्धि है, जो बताता है कि गलत विलोपनों से वास्तविक भागीदारी घटी हो सकती है, भले ही एसआईआर ने मतदाता सूचियों से उन्हें हटाया जो मर चुके थे या कहीं और जा चुके थे। इसका सबसे ज्यादा असर शहरों में पड़ा। जैसे कि चेन्नई में, जहां कई निर्वाचन क्षेत्रों में 80 फीसदी के ऊपर मतदान दर्ज हुआ और जो 20 प्रतिशत अंकों से ज्यादा की छलांग है, जबकि मतदाताओं की कुल संख्या दृ लगभग 24 लाख , साल 2021 के चुनावों से लगभग अपरिवर्तित रही।

दोनों में से किसी भी राज्य के मतदान प्रतिशत से बहुत कुछ मायने निकाल पाना मुश्किल है। राजनीतिक रुप से बेहद जागरूक पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान लंबे समय से कायम एक खासियत रही है और शेष भारत की तुलना में तमिलनाडु भी हालिया चुनावी चक्रों में कतई सुस्त नहीं रहा है। इसके अलावा, राजनीति विज्ञानियों को मतदान के स्तरों और सत्ताधारी के पक्ष या खिलाफ में आने वाले नतीजों के बीच बहुत कम सह–संबंध मिला है। एक बार प्रकाशित होने के बाद, मतदान प्रतिशत को अपना एक स्वतंत्र अस्तित्व मिल जाता है और इसे लोकतांत्रिक उत्साह या जनादेश की मजबूती के सबूत के रूप में पेश किया जाता है या, तमिलनाडु के मामले में, एक नये राजनीतिक पक्ष जैसे कि अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम के असर के रूप में। लेकिन प्रतिशत की सार्थकता उतनी ही है जितनी कि 'हर' (डिनॉमिनेटर) की, क्योंकि प्रतिशत इसी पर निर्भर करता है और इन दोनों राज्यों में, 'हर' खुद काफी बदल दिया गया है। इसलिए वास्तविक नतीजों से जनादेश के बारे में कोई निष्कर्ष निकालने से पहले, मतदान के आंकड़ों को इस तथ्य के साथ पढ़ना होगा कि निर्वाचक–मंडल (अंतिम मतदाता संख्या) का निर्धारण कैसे किया गया।

राजनीति के लिये भी जरूरी है जनगणना

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में 2011 की जनगणना के बाद कितनी वृद्धि हुई है, इसका सटीक आंकड़ा जानने के लिए 16वीं जनगणना 22 मई 2026 से शुरू हो रही है। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में मकानों की संख्या, उनकी स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं का डेटा एकत्र किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में वास्तविक जनसंख्या की गणना होगी। लाखों कर्मियों को इस कार्य के लिए तैनात किया गया है और पूरी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से संचालित होगी। अंतिम आंकड़े 1 मार्च 2027 को घोषित हो जाएंगे। यह जनगणना न केवल आबादी का सही आंकड़ा देगी, बल्कि राज्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीतियों को आकार देने में भी मदद करेगी। ऐसा लग रहा है कि जनगणना के आंकड़े आने के आसपास ही उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के भी नतीजे आएंगे, क्योंकि मोदी का कार्यकाल अगले साल मार्च में पूरा हो रहा है।खैर, उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 19.98 करोड़ लोग रहते थे। उसके बाद 15 वर्षों में आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है। अनुमानों के अनुसार, वर्तमान आबादी 24 करोड़ से अधिक हो चुकी है, लेकिन सटीक संख्या जानने के लिए ही यह नई जनगणना आवश्यक है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने इसकी तैयारियां लंबे समय से की हैं। महामारी और अन्य चुनौतियों के बावजूद प्रक्रिया को समय पर शुरू करने का निर्णय सराहनीय है। पहले चरण में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के घरों का सर्वे होगा, जिसमें बिजली, पानी, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली जाएगी। इससे राज्य के विकास के स्तर का पता चलेगा और कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति का नाम, उम्र, लिंग, शिक्षा, रोजगार और प्रवास जैसे विवरण दर्ज किए जाएंगे। डिजिटल माध्यम से यह कार्य तेज और त्रुटिरहित होगा। कर्मियों को हैंडहेल्ड डिवाइस दिए जाएंगे, जिनमें जीपीएस की मदद से स्थान का पता चलेगा। इससे डुप्लिकेट एंट्री या गलतियां कम हों गी। लाखों कर्मचारियों की तैनाती से ग्रामीण इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में यह चुनौतीपूर्ण है, जहां पूर्वांचल, बुंदेलखंड और अवध क्षेत्रों में अलग–अलग जनघनत्व है। जनगणना के आंकड़े संसद सीटों के पुनर्वितरण, विधानसभा क्षेत्रों के सीमांकन और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान में उपयोगी साबित होंगे।इस जनगणना का महत्व कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सबसे पहले, 2011 के बाद जन्म दर, मृत्यु दर और प्रवास पैटर्न में बदलाव आया है। युवा आबादी बढ़ी है, लेकिन बेरोजगारी और शिक्षा के स्तर पर सवाल उठे हैं। जनगणना से पता चलेगा कि कितने बच्चे स्कूल जा रहे हैं, महिलाओं की भागीदारी कितनी है और बुजुर्गों की संख्या क्या है। दूसरा, कोविड महामारी ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी उजागर की, अब आंकड़ों से अस्पतालों और डॉक्टरों की आवश्यकता का आकलन होगा। तीसरा, जलवायु परिवर्तन और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आबादी का घनत्व जानना जरूरी है। उदाहरण के लिए, गंगा–यमुना के मैदानी इलाकों में आबादी अधिक है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में कम। इन आंकड़ों से सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और आवास योजनाएं बेहतर होंगी।

राज्य सरकार ने इसकी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रशिक्षण शिविर लगाए गए, सॉफ्टवेयर विकसित किए गए और जागरूकता अभियान चलाए गए। ग्रामीणों को बताया गया कि सर्वे में कोई व्यक्तिगत खतरा नहीं है और जानकारी गोपनीय रहेगी। डिजिटल प्रक्रिया से पारदर्शिता बढ़ेगी, क्योंकि डेटा रीयल टाइम में अपलोड होगा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक समन्वय समिति बनाई है, जिसमें सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक ध्यान मिलेगा, क्योंकि यहां की आबादी पूरे देश की लगभग 17 प्रतिशत है। 1 मार्च 2027 तक अंतिम आंकड़े आने पर नीति–निर्माताओं को नई दिशा मिलेगी।जनगणना के सामाजिक प्रभाव भी गहरे होंगे। पिछली गणना में अनुसूचित जाति–जनजाति की आबादी का सटीक आंकड़ा मिला था, जिससे आरक्षण नीतियां मजबूत हुईं। अब भी अल्पसंख्यक समुदायों, प्रवासी मजदूरों और शहरी झुग्गीवासियों पर फोकस होगा। महिलाओं की साक्षरता दर में सुधार हुआ है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी कमी है। आंकड़ों से बाल विवाह, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति स्पष्ट होगी। इसके अलावा, आर्थिक विश्लेषण के लिए रोजगार के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं। उत्तर प्रदेश में कृषि पर निर्भरता अधिक है, लेकिन उद्योग और सेवा क्षेत्र बढ़ रहे हैं। जनगणना बताएगी कि कितने लोग खेती छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

राजनीतिक दृष्टि से यह जनगणना दिलचस्प होगी। आबादी के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटें पुनर्गठित होंगी। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें प्रभावित हो सकती हैं। क्षेत्रीय असंतुलन दूर करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल में विकास पर जोर बढ़ेगा। विपक्षी दल भी आंकड़ों का उपयोग अपनी मांगों के लिए करेंगे। सरकार को सतर्क रहना होगा कि प्रक्रिया निष्पक्ष रहे। पिछली जनगणनाओं में कुछ क्षेत्रों में विवाद हुए थे, लेकिन डिजिटल सिस्टम से यह समस्या कम होगी। चुनौतियां भी कम नहीं हैं। गर्मी के मौसम में सर्वे करना कठिन होगा, इसलिए कर्मियों को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। कुछ इलाकों में सुरक्षा की समस्या है, वहां पुलिस सहायता ली जाएगी। डिजिटल साक्षरता की कमी से ग्रामीणों को समझाना पड़ेगा। फिर भी, सरकार का दावा है कि 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित होगा। वैज्ञानिक तरीके से सैंपल सर्वे भी किए जाएंगे, ताकि अनुमान सटीक रहें। यह जनगणना उत्तर प्रदेश के भविष्य को आकार देगी। 2011 के बाद आबादी में अनुमानित 4 करोड़ की वृद्धि हुई है, लेकिन सटीक संख्या से योजनाएं प्रभावी होंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत और मनरेगा जैसे कार्यक्रमों के लाभार्थी तय होंगे। शिक्षा के लिए स्कूल, स्वास्थ्य के लिए अस्पताल बनेंगे। युवाओं के लिए कौशल विकास पर फोकस बढ़ेगा। कुल मिलाकर, यह प्रक्रिया राज्य को मजबूत बनाएगी। 22 मई से शुरू हो रही इस जनगणना में सभी नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है। सटीक जानकारी देने से देश का विकास तेज होगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में आबादी प्रबंधन चुनौती है, लेकिन अवसर भी। अंतिम आंकड़े 1 मार्च 2027 को आने पर नई शुरुआत होगी। यह न केवल संख्या गिनती है, बल्कि लोगों की जरूरतों को समझने का माध्यम है। राज्य सरकार की यह पहल स्वागतयोग्य है।

उबलती धरती, डगमगाती थाली, संकट में किसान

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई हैय यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति–निर्माता अब इसे एक 'रिस्क मल्टीप्लायर' के रूप में पहचान रहे हैंकृऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं हैकृगर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती हैकृसमुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है।

लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक–दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग–थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता हैकृजंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब "गीला बल्ब तापमान" एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का 'हीट–इकोनॉमी ट्रैप' पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आयकृतीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है।

इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक "कैस्केडिंग फेल्योर" के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति शृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिककृएक व्यापक सामाजिक–आर्थिक संकट बन जाती है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।

इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है।

ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (कंचजंजपवद) पर ध्यान देना होगा। जलवायु–स्मार्ट कृषि पद्धतियांकृजैसे गर्मी–सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेतीकृइस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें।

नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन (उपजपहंजपवद) के माध्यम से ही संभव है।

नये सन्दर्भो में भारत–नेपाल

भारत के पड़ोसी नेपाल में गत वर्ष सितम्बर में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी तथा कुछ सोशल मीडिया साइट्स पर लगाए गए प्रतिबंधों के विरुद्ध हुए जेन जैड (युवा पीढ़ी) के आंदोलन के बाद 5 मार्च को हुए 'प्रतिनिधि सभा' के चुनाव में 182 सीटें जीत कर वर्तमान प्रधानमंत्री 'बालेन शाह' की 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी' ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया। 27 मार्च, 2026 को 'बालेन शाह' ने देश के सबसे छोटी आयु के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के कुछ ही दिनों के भीतर नेपाल में भ्रष्टाचार के विरुद्ध अब तक का सबसे बड़ा अभियान छेड़ दिया। इस उद्देश्य के लिए 'बालेन शाह' की सरकार ने 5 सदस्यीय न्यायिक पैनल बनाया है जो 2006 से लेकर 2025–26 तक सार्वजनिक पदों पर रहे लोगों की सम्पत्ति की जांच करेगा। इसके तहत जांच के दायरे में सभी पूर्व 7 प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, संवैधानिक पदों पर बैठे 100 से अधिक लोगों और वरिष्ठ नौकरशाहों के अलावा उन नेताओं को भी लाया जाएगा जो अब जीवित नहीं हैं।

'बालेन शाह' की सरकार के इन्हीं फैसलों का परिणाम है कि उनके शासन के लगभग एक महीने के भीतर ही उनके 2 मंत्रियों श्रम मंत्री 'दीप कुमार साह' तथा मनी लांड्रिंग के आरोपों में घिरे गृहमंत्री 'सूदन गुरुंग' को अपने पदों से त्यागपत्र देना पड़ा है तथा अनेक लोग केद किए गए हैं। हाल के वर्षों में नेपाल में चीन की बढ़ती भूमिका आध्यक्ष सहयोग से परे जाकर रणनीतिक और राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में सामने आई है। पूर्व प्रधानमंत्री 'के. पी. शर्मा ओली' के कार्यकाल के दौरान नेपाल ने चीन के साथ कई समझौते किए जिन्हें आध्यक्ष स्वतंत्रता की दिशा में क्रांतिकारी कदम के रूप में पेश किया गया था। परन्तु अब नेपाल की नई सरकार ने चीन के साथ किए गए उन समझौतों की भी गहराई से जांच करनी शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ओली के शासनकाल में शुरू की गई चीन से जुड़ी कई योजनाएं बिना किसी स्पष्ट कारण के क्यों रुक गईं।

'बालेन शाह' सरकार ने यह भी घोषणा की है कि इन परियोजनाओं की पूरी समीक्षा होने तक चीन के साथ किसी भी नए समझौते पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। चीनी परियोजनाओं की जांच से नेपाल सरकार यह यकीनी बनाने की कोशिश कर रही है कि भविष्य में कोई भी विदेशी निवेश नेपाल की सम्प्रभुता और राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध न जाए। जहां तक भारत–नेपाल सम्बन्धों का प्रश्न है, ऐतिहासिक रूप से भारत के साथ नेपाल के रोटी–बेटी के गहरे संबंधों के बावजूद समय–समय पर दोनों देशों के बीच सीमा विवाद आदि मुद्दों पर तनाव देखा गया तथा दोनों देशों के संबंधों में उतार–चढ़ाव आता रहा है जो पूर्व प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा के कार्यकाल में चरम पर पहुंच गया था परंतु नेपाल के अधिकांश शासकों द्वारा भारत से सम्बन्ध संतुलित रखने की कोशिशें जारी रही हैं। चूंकि नेपाल में चीन की भूमिका अब केवल व्यापार तक सीमित नहीं है और चीन अब नेपाल के आध्यक्ष फैसलों और राजनीतिक मामलों में भी हस्तक्षेप कर रहा है।

हाल–फिलहाल की बात करें तो पूर्व प्रधानमंत्रियों 'पुष्प कमल दहल प्रचंड' तथा 'सुशीला कार्की' के अंतरिम प्रधानमंत्री काल में नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद भारत के साथ संबंधों में संतुलन बनाने की कोशिश की गई। पुष्प कमल दहल प्रचंड की 2023–2024 की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच ऊर्जा और व्यापार समझौते भी किए गए। नेपाल सरकार द्वारा चीनी परियोजनाओं पर रोक लगाने का कारण चाहे जो भी हो, इसे भारत के लिए एक मौका ही माना जाना चाहिए। नेपाल सरकार के साथ विवादों के बावजूद भारत अभी भी नेपाल का बड़ा व्यापारिक भागीदार तथा उसे सहायता प्रदान करने वाला देश बना हुआ है। अतरू भारत सरकार को नेपाल की चीन से बढ़ती दूरी का लाभ उठाने की भरसक कोशिश करनी चाहिए।—**विजय कुमार**

शिक्षकों का डीआईओएस कार्यालय पर धरना: पुरानी पेंशन, समान वेतन सहित कई मांगें उठाईं

संवाददाता—देवरिया। माध्यमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर शुक्रवार को जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय परिसर में शिक्षकों ने धरना–प्रदर्शन किया। इस दौरान पुरानी पेंशन बहाली, समान कार्य के लिए समान वेतन और वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय सहित विभिन्न मांगों को लेकर आवाज उठाई गई। गोरखपुर–फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन खंड के विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के शिक्षकों को मिली सभी उपलब्धियां लंबे संघर्ष का परिणाम हैं। उन्होंने जोर दिया कि पुरानी पेंशन की लड़ाई अब निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 2005 से पहले विज्ञापित पदों पर नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विषय विशेषज्ञों को भी जल्द ही यह सुविधा मिलेगी। उन्होंने विधान परिषद में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा और समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग लगातार उठाने की बात कही। विद्यायक ने वित्तविहीन शिक्षकों को शिक्षक का दर्जा देकर उनकी सेवा शर्तें तय करने और सम्मानजनक मानदेय देने की भी वकालत की। त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि शिक्षक, शिक्षा और शिक्षार्थी के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने शिक्षकों से आवश्यकता पड़ने पर जेल भरो आंदोलन के लिए भी तैयार रहने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि संगठन को मिली सभी उपलब्धियां केवल संघर्ष से ही संभव हुई हैं।

एक साल से लंबित प्रार्थना पत्र का एडीएम ने मौके पर कराया निस्तारण

संवाददाता—बलरामपुर। ग्राम लालनगर निवासी राम अधीन खतौनी में नाम सही कराने के लिए करीब एक वर्ष से अफसरों के चौखट का चक्कर काट रहे थे। उनकी समस्या का समाधान शनिवार को हो गया है। एडीएम वित्त एवं राजस्व ज्योति राय ने सदर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई के दौरान समस्या का निस्तारण कराया। प्रार्थना पत्र देने के एक घंटे में एक साल से लंबित मामले का निस्तारण होने से फरियादी के चेहरे पर खुशी छा गई। एडीएम ने निर्देश दिया कि ऐसी छोटी समस्याओं के निस्तारण में अधिकारी व कर्मचारी लापरवाही न बरतें अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। सदर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में ग्राम लालनगर निवासी राम अधीन पुत्र अगनूं ने एडीएम ज्योति राय को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। बताया कि राजस्व अभिलेखों की पूर्व खतौनियों में उसका नाम राम अधीन पुत्र अंगनू दर्ज था। खतौनी फसली वर्ष 1421–1426 में मेरा नाम राम अधीन पुत्र नंगू दर्ज हो गया। इसे सही कराने के लिए तहसीलदार को जून 2025 में प्रार्थना पत्र दिया। तबसे प्रार्थना पत्र पर राजस्व निरीक्षक व लेखपाल ने ऑख्या रिपोर्ट नहीं भेजी है। खतौनी में नाम संशोधन न होने से फरियादी को परेशानी के साथ किसी भी सरकारी योजना का लाभ भी नहीं मिल पा रहा था। एडीएम ने सदर एसडीएम हेमंत कुमार गुप्त को प्रार्थना पत्र का निस्तारण तत्काल करने का निर्देश दिया। हल्का लेखपाल व राजस्व निरीक्षक ने तुरंत अपनी ऑख्या लगाई। तहसीलदार व एसडीएम ने भी अपनी संस्तुति की। इसके बाद खतौनी में त्रुटिपूर्ण नाम को संशोधित कर फरियादी के सही नाम की आंकना की गई। एडीएम ने मौके पर फरियादी को बुलाकर संशोधित खतौनी की नकल प्राप्त कराया। एक घंटे में समस्या का समाधान होने से फरियादी के चेहरे पर खुशी छा गई।

व्यवसायी के अपहरण की साजिश रचने में चार गिरफ्तार मास्टरमाइंड समेत पांच आरोपी अब भी फरार

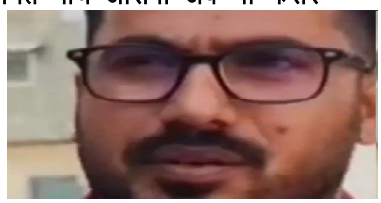

संवाददाता—देवरिया। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र में एक व्यवसायी के अपहरण की साजिश रचने वाले गिरोह के चार बदमाशों को एसटीएफ और पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। हालांकि, इस सनसनीखेज मामले में मास्टरमाइंड समेत पांच आरोपी घटना के पांच महीने बाद भी फरार हैं। पुलिस को अब तक इनका कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। फरार बदमाशों की तलाश में एसओजी समेत कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं, लेकिन अभी तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के पड़री तिवारी निवासी राजकमल तिवारी ईंट भट्ठा, प्रॉपर्टी डीलिंग समेत कई व्यवसायों से जुड़े हैं। वहीं गांव के ही अरविंद कुमार तिवारी भी बड़े कारोबारी माने जाते हैं, जिनका सलेमपुर में होटल होने के साथ गुजरात समेत अन्य राज्यों में भी कामकाज है। पुलिस के मुताबिक 5 दिसंबर 2025 की रात महदहां चौराहे के पास राजकमल तिवारी के अपहरण की पूरी तैयारी कर ली गई थी। बदमाश उन्हें अगवा कर भारी फिरौती वसूलने की योजना में थे। इस बीच इस साजिश की भनक एसटीएफ को लग गई। सूचना मिलते ही एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस के साथ जाल बिछाया और मौके पर घेराबंदी कर दी। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने हिमांशु कुमार यादव समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। 6 दिसंबर को तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। इसके अगले दिन 7 दिसंबर को सदर कोतवाली पुलिस ने एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। इस मामले में अभी भी अंकित यादव निवासी चौबी, थाना मरदह, जिला गाजीपुरय सर्वेश उर्फ गोली यादव निवासी कहिनवर, थाना सरायलखंसी, जिला मऊय पंकज यादव निवासी मऊ, थाना सरायलखंसी, मऊय तथा सूरज गोंड निवासी नेरई अमवा, थाना मधुआडीह, जिला देवरिया फरार चल रहे हैं। इनके अलावा अपहरण की पूरी कहानी लिखने वाला 'तिवारी' भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यही व्यक्ति गिरोह का मुख्य योजनाकार था और अपहरण के बाद फिरौती की आधी रकम उसे मिलने वाली थी। हालांकि उसकी पहचान को लेकर अभी भी जांच जारी है। मुठभेड़ के बाद से ही गिरोह के सभी फरार सदस्य भूमिगत हो गए। उनके मोबाइल फोन भी बंद हैं। पुलिस को आशंका है कि कुछ आरोपी नेपाल भाग सकते हैं। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना को पांच महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन फरार बदमाशों की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी साजिश के बाद भी मास्टरमाइंड का पकड़ा न जाना जांच पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। एसओजी, सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश देने का दावा कर रही हैं, लेकिन परिणाम अब तक शून्य है। इससे पीड़ित पक्ष में भी नाराजगी बढ़ रही है। अपर पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि फरार बदमाशों की तलाश के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हर संभावित ठिकाने पर दबिश दे रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि अपहरण की इतनी बड़ी साजिश रचने वाले मास्टरमाइंड और उसके साथियों तक पुलिस आखिर कब पहुंचेगी।

एससी/एसटी एक्ट के 3 वांछित गिरफ्तार 10 वारंटी भी 12 घंटे में दबोचे गए

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस ने विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। गिलौला थाना पुलिस ने एससीध्एसटी एक्ट से जुड़े तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।इसके अतिरिक्त, पूरे जनपद में चलाए गए एक साथ अभियान में मात्र 12 घंटे के भीतर 10 वारंटियों को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। गिलौला थाने में पंजीकृत मु0अ0सं0 061ध्2026 में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम सक्रिय थी। मुखबिर की सूचना पर गिलौला बाईपास स्थित तिलकपुर नहर पुलिया के पास घेराबंदी की गई। वहां से तीन संदिग्धों को पकड़ा गया, जिनकी पहचान मुकदमे में वांछित अभियुक्तों के रूप में हुई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त हरीराम मौर्य की निशानदेही पर 1 मई 2026 को ग्राम भिखारीपुर मसढ़ी से घटना में प्रयुक्त एक अवैध चाकू बरामद किया गया।इसके आधार पर मुकदमे में धारा 238 बीएनएस और 4ध्25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि गिरफ्तारी की पूरी प्रक्रिया में सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिशा–निर्देशों का पूर्ण पालन किया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में हरीराम मौर्य पुत्र राधेश्याम मौर्य, मोहित मौर्य पुत्र साधूराम मौर्य और काशीराम उर्फ रोहित पुत्र राधेश्याम शामिल हैं। ये सभी भिखारीपुर मसढ़ी, थाना गिलौला, जनपद श्रावस्ती के निवासी हैं। इसी क्रम में, जनपद में वांछित और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। सभी थाना प्रभारियों ने सघन चेकिंग और दबिश दी। पिछले 12 घंटों के भीतर, विभिन्न न्यायालयों द्वारा जारी वारंटों के आधार पर कुल 10 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार किए गए वारंटी मारपीट, चोरी, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट जैसे विभिन्न मामलों में वांछित थे। थानावार गिरफ्तारी विवरण इस प्रकार हैरू थाना सिरसिया से 3, थाना मल्हीपुर से 1, थाना हरदत्तनगर गिरंट से 1, थाना इकौना से 1, थाना गिलौला से 3 और थाना सोनवा से 1 वारंटी को पकड़ा गया। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को संबंधित न्यायालयों में पेश कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेंगे।

मुकदमा वापसी की मांग को लेकर वकीलों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—गोण्डा। वकीलों पर सीओ करनैलगंज द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमें के वापसी की मांग को लेकर वकीलों ने प्रदर्शन किया। इसकी अगुवाई डीबीएस और सीबीए के अध्यक्षों ने संयुक्त रूप से किया। जुलूस कलेक्ट्रेट परिसर से कमिश्नरी परिसर में नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचा और सभा में परिवर्तित हो गया। साथ ही मुख्यमंत्री व राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन द्वारा अफसरों का सौंपा। सभा को सम्बोधित करते हुये बार एसोसिएशन गोण्डा के अध्यक्ष रविचन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि क्षेत्राधिकारी करनैलगंज द्वारा अधिवक्ताओं पर विद्वेषपूर्ण तरीके से दर्ज कराये गये मुकदमे की वापसी तक आन्दोलन जारी रहेगा। सिविल बार एसोसिएशन गोण्डा के अध्यक्ष विजय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि अधिवक्ताओं के खिलाफ विपरीत राजनीतिक विचारधारा से जुड़े होने के कारण शान्तिपूर्ण मार्च के दौरान राजनीतिक दुर्भावना व रंजिश के चलते हैरान व परेशान करने की नीयत से दर्ज कराया गया है। बेवजह अधिवक्ताओं का सामाजिक, आर्थिक व मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। शान्तिपूर्ण जुलूस के दौरान मुख्यालय के सभी अधिवक्ताओं ने सामूहिक अवकाश पर रहते हुए विरोध प्रकट किया। इस मौके पर संगम लाल सिंह, विनय कुमार तिवारी, अशोक कुमार तिवारी, मनोज कुमार मिश्र, अजीत कुमार श्रीवास्तव, आशुतोष कुमार पाण्डेय, शिवम त्रिपाठी, शिशिर श्रीवास्तव, राजेन्द्र प्रताप द्विवेदी, पाटेश्वरी दत्त पाण्डेय, अरविन्द शर्मा, माया शंकर श्रीवास्तव, अजेय विक्रम सिंह, उमाकान्त श्रीवास्तव, आशीष पाण्डेय, अशोक कुमार मौर्य, देव प्रकाश शुक्ला, भगवती प्रसाद पाण्डेय, रवीन्द्र पाण्डेय, हरिश्चन्द्र बाजपेयी आदि सैकड़ों अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस पर 18 मामले निपटे

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवां तहसील समागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 187 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 18 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। डीएम संतोष शर्मा ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित व प्रभावी समाधान के निर्देश दिए।शेष 169 मामलों को संबंधित विभागों को सौंप दिया गया है।

डीएम ने इन सभी प्रकरणों का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की टीमें विशेष रूप से मौजूद रहीं। उन्होंने विभिन्न प्रकरणों पर आवश्यक कार्रवाई की और शिकायतों के समाधान में सहयोग किया।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बार–बार सामने आने वाले मामलों का स्थायी समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसका उद्देश्य आमजन को अनावश्यक परेशानी से बचाना है।इस अवसर पर जिलाधिकारी संतोष शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

देवर बारात लेकर लौटा, भाभी का कमरे में मिला शव

संवाददाता—महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के बचरंगपुर के टोला थापापुर में शनिवार सुबह 11 बजे एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से पहले मृतका का देवर अपनी बारात लेकर घर पहुंचा था। उस समय विवाहिता घर के अंदर कमरे में थी। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने विवाहिता को बुलाना शुरू किया, जब वह नहीं बोलीं, तो दरवाजे को तोड़ दिए। इसके बाद विवाहिता का शव कमरे के अंदर ही पंखे से लटका मिला। देखते ही परिजन जोर–जोर से चिल्लाने लगे। इतनी देर में सैकड़ों ग्रामीण जुट गए। मृतका अंशू की शादी चार साल पहले 9 मई 2022 को बृजमनगंज थाना क्षेत्र के थापापुर निवासी कृष्ण गोपाल से हुई थी। शुक्रवार को उसके देवर कृष्ण मोहन की बारात गई थी। शनिवार को जब देवर बारात लेकर घर पहुंचा, तो पता चला कि भाभी का शव फंदे से लटका हुआ घर के अंदर मिला। घटना के बाद मांगलिक कार्यक्रम में अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या–आत्महत्या के कारणों का पता चल सकेगा। इधर, विवाहिता के भाई कृष्ण चंद्र दुबे ने थाने में तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही अंशु का पति उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। पति ने उसे बातचीत भी बंद कर दी थी। शनिवार को देवर की बारात घर आने के बाद ससुराल वालों ने अंशु के साथ मारपीट की, उसके सारे जेवर छीन लिए और फिर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने पति, देवर और सास पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

सरयू नहर में उतराता मिला अधेड़ का शव

संवाददाता—गोण्डा। खरगूपुर थानाक्षेत्र में पचरन के पास स्थित सरयू नहर में शनिवार दोपहर एक अधेड़ का शव पानी में उतराता दिखा। मौके पर जुटे लोगों ने फौरन इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाया। शव की शिनाख्त बहराइच जिले के राम छबीले के तौर पर हुई। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस का कहना है कि बहराइच जनपद के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरा निजाम निवासी राम छबीले उम्र करीब 55 वर्ष नशेड़ी प्रवृत्ति का था। इसके चलते परिवार में कलह रहती थी। घरेलू क्लेश से परेशान पत्नी अपने मायके रहती है। जबकि, राम छबीले अपने घर पर रहता था। उसके दो पुत्र हैं। शनिवार दोपहर में उसका शव पचरन के पास सरयू नहर में उतराता दिखा। शव देखकर ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के पचरन के पास सरयू नहर में एक अधेड़ का शव मिला है। मृतक के पुत्र श्यामू के प्रार्थना पत्र पर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

यूरिया किल्लत से बलरामपुर–गोंडा हाईवे जामः खतौनी की शर्त पर भड़के किसान

संवाददाता—बलरामपुर। यूरिया खाद की किल्लत और नई वितरण शर्तों से नाराज किसानों ने शनिवार दोपहर बलरामपुर–गोंडा राजमार्ग जाम कर दिया। नवीन गल्ला मंडी और बलरामपुर चीनी मिल के सामने हुए इस प्रदर्शन से यातायात व्यवस्था बाधित हो गई।

किसानों का गुस्सा 2 मई को इफको गोदाम पर उस समय भड़का, जब उन्हें यूरिया लेने के लिए अचानक नई शर्तों का सामना करना पड़ा। किसानों के अनुसार, पहले आधार कार्ड पर खाद मिलती थी, लेकिन अब कर्मचारियों ने खतौनी अनिवार्य कर दी।

इतना ही नहीं, किसानों को बताया गया कि एक खतौनी पर केवल एक बोरी यूरिया ही मिलेगी। इन नई शर्तों से आक्रोशित सैकड़ों किसान तुरंत सड़क पर उतर आए और चक्का जाम कर दिया।

सूचना मिलने पर सीओ सिटी ज्योति श्री और नायब तहसीलदार

सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों को समझा–बुझाकर शांत कराया और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ।

इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी उपेंद्र खरवार ने स्पष्ट किया कि जिले में यूरिया की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार, एक हेक्टेयर भूमि पर अधिकतम 7 बोरी यूरिया दी जानी है, लेकिन इसे एक साथ वितरित नहीं किया जा सकता।

खरवार ने किसानों से अपील की कि वे खतौनी के साथ आएं और अपनी जरूरत के अनुसार एक या दो बोरी खाद प्राप्त करें। वर्तमान में गन्ने की फसल में टॉप ड्रेसिंग का समय होने के कारण यूरिया की मांग बढ़ गई है, जिससे वितरण व्यवस्था पर दबाव है। प्रशासन ने किसानों को आश्वासन दिया है कि उन्हें उनकी आवश्यकतानुसार खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

समाधान दिवस में महिला ने जान देने की धमकी दीः नानपारा में पुलिस कार्रवाई से त्रस्त होकर डीएम के सामने कही बात

संवाददाता—बहराइच। नानपारा तहसील समागार में डीएम अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान एक महिला ने पुलिस कार्रवाई से त्रस्त होकर जान देने की धमकी दी, जिससे हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

नवाबगंज थाने से आई महिला ने पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। महिला के जान देने की बात कहने पर पुलिस उपनिरीक्षक ममता यादव को उसे शांत करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

वरिष्ठ अधिवक्ता रूप नारायण जायसवाल ने मिहीपुरवा न्यायालय में चल रहे एक वाद में क्षेत्रीय अधिवक्ताओं के असहयोग से आ रही समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी त्रिपाठी ने इस संबंध में एसडीएम मिहीपुरवा से बात कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

जुबली गंज निवासी सरिता साहू ने नगर में आवास की दूसरी किस्त का भुगतान न होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि जियो टैग के अभाव में किस्त नहीं मिल पा रही है, जिससे लाभार्थियों को समय पर आवास पूरा करने पर मिलने वाले बोनस का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिवपुर ब्लॉक निवासी मीना मिश्रा ने बिना विद्युत कनेक्शन के बिजली बिल आने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर अधिशासी अभियंता ने जांच के बाद बिल माफ करने का आश्वासन दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय कुमार शर्मा, उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालीसा जौहरी, पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह और तहसीलदार नानपारा शैलेश अवस्थी सहित अधिकांश विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारी हुए सम्मानित

संवाददाता—गोण्डा। एसआईआर, फार्मर रजिस्ट्री व क्राप सर्वे में मेहनत करके अच्छा प्रदर्शन करने वाले राजस्व कर्मियो, निर्वाचन कर्मिको को सम्पूर्ण समाधान दिवस के समापन के दौरान एसडीएम अवनीश त्रिपाठी व पुलिस क्षेत्राधिकारी उदित नारायण पालीवाल, तहसीलदार सुभद्र प्रसाद ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वोटर लिस्ट के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर), फार्मर रजिस्ट्री व क्राप सर्वे में दिन रात मेहनत करके तहसील की छवि जिला व प्रदेश स्तर में बेहतर करने में कई कर्मियों का योगदान है। इनमें एसडीएम के स्टेनो राम जन्म वर्मा, विनोद पान्डेय, निर्वाचन में लगे नीरज सिंह, उमेश शुक्ला, राजस्व निरीक्षक पुरुषोत्तम सिंह, अमीरूल हसन, राज किशोर श्रीवास्तव, रमेश वर्मा, कुंवर बहादुर मौर्या, लेखपाल रामपूजन सिंह यादव, गिरजानंदन तिवारी, नंदनंदन तिवारी, विनोद तिवारी, प्रेमशंकर आर्य, सुल्तान अहमद, दिनेश चंद गौड़, स्नेहलता, अर्जुन वर्मा, अजय कुमार, सौरभ कुमार, जावेद, कमलेश कुमार, देव व्रत व्यास, हेमंत वर्मा, नीतिकार शुक्ला, गिरीश चंद सहित 32 लोगों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस मौके तमाम लेखपाल व अन्य लोग मौजूद रहे।

डंपर की चपेट में आने से छात्र की मौत, दूसरा गंभीर

संवाददाता—गोण्डा। धानेपुर–दतौली मार्ग पर आनंदनगर के पास शनिवार को डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए ले जाते समय एक की मौत हो गई जिससे घर परिवार में कोहराम मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव घटना में शामिल डंपर को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत दत्त नगर के मजरा मंगरे पुरवा निवासी कक्षा आठ का छात्र कुलदीप वर्मा (14) पुत्र बलराम वर्ष व कक्षा नौ का छात्र अभय (16) पुत्र विकास शनिवार को बाइक से 6 गनेपुर दतौली मार्ग पर कोयरीपुर दुल्हापुर के पास स्थित एक पंप से पेट्रोल डलवाकर घर लौट रहे थे। पंप से कुछ दूरी पर ही पहुंचे थे तभी सामने से आ रहे एक डंपर की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए ले जाते समय कक्षा आठ के छात्र कुलदीप वर्मा की मौत हो गई। वहीं अभय का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ग्राम प्रधान राजेश वर्मा ने बताया कि कुलदीप दो बहनों में इकलौता भाई था। वह गांव के ही उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा आठ का छात्र था।बड़ी बहन अंजनी की शादी हो चुकी है। वहीं छोटी बहन काजल उम्र 18 वर्ष अविवाहित है। पिता गांव पर मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं।

इकलौते बेटे की मौत की सूचना मिलते ही माता पिता व दोनों बहन का रो–रो कर हाल बेहाल है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद यादव ने बताया कि हादसे में घायल दोनों किशोरों को एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी मुजेहना भिजवाया गया था। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल दोनों को रिफर किया गया था।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कि सुबोध कुमार दास आयु लगभग 61 साल पुत्र स्व0 उपेन्द्र नरायण दास निवासी 17/4/27 लक्ष्मणघाट, थाना कोतवाली अयोध्या जिला अयोध्या का निवासी हूं। प्रार्थी पूजा व हवन की सामग्री की एक छोटी सी दुकान खोलकर अपनी जीविका चलाता है। मेरा एक पुत्र आयुष राज आयु लगभग 23 साल का है वह काफी बुरी संगत में पड़ गया है तथा नशाखोरी भी करता है और आए दिन जगह–जगह मारपीट, दंगा–फसाद आदि करता रहता है और इधर–उधर रहता है और कभी–कभार ही घर आता है। प्रार्थी ने अपने पुत्र आयुष राज को ठीक रास्ते पर चलने के लिए काफी समझाया–बुझाया परंतु वह मान नहीं रहा है और आए दिन उसके कारण काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। प्रार्थी दिनांक 27.04.2026 से अपने पुत्र आयुष राज से कोई संबंध नहीं रखेगा और न ही उसके कृत्यों के प्रति जिम्मेदार होगा यानि की आज से शपथी अपने पुत्र को अपनी जायदाद से भी बेदखल कर रहा है। अपने किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

ईंट से कूचकर 4 बच्चों की हत्या, मां पर हत्या का शक

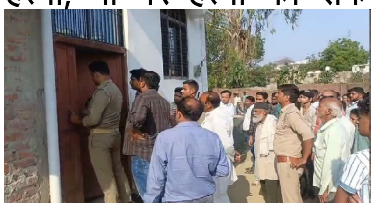

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर थाना क्षेत्र के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे एक घर के अंदर चार बच्चों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने बिस्तर पर खून से लथपथ शवों को कब्जे में लिया। घटना के समय घर का दरवाजा अंदर से बंद था। मौके पर बच्चों की मां गायब मिली। मृत बच्चों की पहचान शफीक, सउद, उमर और उनकी बहन बयान के रूप में हुई है। ये सभी बच्चे अपनी मां के साथ मीरानपुर में रहते थे। परिजनों ने बताया कि बच्चों के पिता नियाज कई वर्षों से सऊदी अरब में नौकरी कर रहे हैं। नियाज ने वहां दूसरी शादी कर ली थी। आशंका है कि इसी बात को लेकर बच्चों की मां मानसिक तनाव में थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस को शक है कि मां ने ही ईंट से वार कर बच्चों की हत्या की। वारदात को अंजाम देने के बाद वह बालकनी से कूदकर फरार हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़कर शवों को कब्जे में लिया। फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फरार महिला की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

बिजली के तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। मुखलिसपुर में शनिवार की सुबह बिजली के तार की चपेट में आकर प्रजापतिपुर गांव निवासी एक मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी होने पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने शव को मुखलिसपुर पुल पर रखकर दोनों ओर बांस–बल्ली की बैरिकेडिंग कर सड़क जाम कर दिया।

सूचना पर एसडीएम रविकांत चौबे और तहसीलदार रामजी के साथ महुली और धनघटा की पुलिस भी पहुंच गई। करीब डेढ़ घंटे तक चली मान–मनव्वल के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया तब आवागमन शुरू हो सका। प्रजापतिपुर गांव निवासी मजदूर बम्मल (37) पुत्र कुमारे चौहान शनिवार को ट्राली से मोरंग उतारने के बाद मुखलिसपुर पुल के नीचे शौच के लिए गया था, जहां पुल के नीचे गिरे बिजली के तार के संपर्क में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जानकारी होने पर मृतक के परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचकर हंगामा करने लगे। इसी बीच ग्रामीणों की भीड़ ने पुल पर बांस और बल्ली के सहारे बैरिकेडिंग कर सड़क जाम कर दिया। परिजन और ग्रामीणों की भीड़ शव को मुखलिसपुर पुल पर रखकर व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी करने लगी।

पुलिस मुठभेड़ में चार गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस और लुटेरों के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस ने लुटेरों के गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस दौरान बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग के जवाब में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, अंधेरे का लाभ उठाकर दो बदमाश मौके से भागने में सफल रहे। पकड़े गए सभी आरोपी कठेला समय माता थाना क्षेत्र के निवासी हैं। मुठभेड़ शुक्रवार की रात करीब दो बजे चिल्हिया थाना क्षेत्र के केसरा के पास हुई। पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि लुटेरों का एक गिरोह केसारे मार्ग से गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। रात करीब 2रू30 बजे जब संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की और घेराबंदी कर चार बदमाशों को दबोच लिया।

स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ा विवाद, सपा ने दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता–गोरखपुर। स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की नाराजगी को लेकर महानगर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) और केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के दिशा–निर्देशों की अनदेखी कर गोरखपुर में बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं पर प्रीपेड स्मार्ट मीटर थोपे जा रहे हैं। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि करीब 2.5 लाख उपभोक्ताओं के यहां लगे स्मार्ट मीटर को बिना सहमति के पोस्टपेड से प्रीपेड मोड में बदला जा रहा है। आरोप है कि इस प्रक्रिया के तहत अचानक बकाया दिखाकर दिन–रात कभी भी उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति स्वतः काट दी जा रही है। इससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सपा नेताओं ने यह भी दावा किया कि स्मार्ट मीटर लगने से पहले जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल औसतन 1000 रुपये आता था, अब वही बिल तीन से चार गुना तक बढ़ गया है। उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान के बाद भी कनेक्शन तत्काल बहाल नहीं किए जा रहे, बल्कि उनसे अग्रिम राशि जमा कराई जा रही है, जो नियमों के विपरीत बताया जा रहा है। नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर की तकनीकी जांच के लिए कई समितियां बनाई गई हैं लेकिन उनकी रिपोर्ट की कोई समयसीमा तय नहीं है। इससे उपभोक्ताओं की समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। महानगर सपा अध्यक्ष जफर अमीन ढुक्कू ने मांग की है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का पालन करते हुए सभी स्मार्ट मीटर को तत्काल पोस्टपेड मोड में बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर दिया जाए, जो लिखित सहमति दें। सपा ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

रात में ट्यूबवेल पर बुलाकर 24 वर्षीय ट्रक चालक की हत्या, आम के बाग में मिला शव

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश में अम्बेडकरनगर जिले के थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली हत्या का मामला सामने आया है। मछलीगांव के मजरे जहानियांपुर निवासी 24 वर्षीय ट्रक चालक सूरज उपाध्याय को रात के अंधेरे में बहाने से बुलाकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। शव को बगल के गांव के आम के बाग में फेंक दिया गया। शनिवार सुबह शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों के अनुसार शुक्रवार देर रात गांव के ही बृजेश मौर्य और संजय मौर्य ने सूरज को फोन कर ट्यूबवेल पर बुलाया। वह घर से निकला तो जरूर, लेकिन फिर कभी जिंदा वापस नहीं लौटा।

रात भर परिजन फोन करते रहे मगर मोबाइल स्विच ऑफ मिलता रहा। शनिवार सुबह मरी माता स्थान के पास आम के बाग में शव मिला। शरीर पर गहरी चोटों के निशान मिले, जिससे साफ है कि पहले बेरहमी से पीटा गया फिर हत्या की गई। शव से 200 मीटर दूर बाइक भी खड़ी मिली। मृतक के भाई शिवम ने पांच नामजद और पांच अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। परिजनों का आरोप है कि गांव की एक युवती से सूरज का प्रेम प्रसंग था, जो पैसों की मांग करती थी और मना करने पर जान से मारने की धमकी देती थी। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। आरोपित सिकंदर, पुत्र कुनाल और शनि समेत चार हिरासत में हैं। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, सीओ सिटी नितीश तिवारी और प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने अहम साक्ष्य जुटाए। एसपी ने मामले का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए हैं। तनाव को देखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मां सुनीता बार–बार बेहोश हो रही हैं, पिता सदमे में हैं और भाई शिवम को अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि उसका छोटा भाई अब इस दुनिया में नहीं रहा।

पानी टंकी की सीढ़ी गिरने से हादसा एक किशोर की मौत, दो घायल

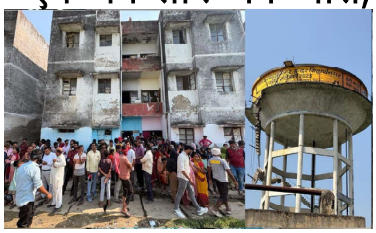

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नगर के काशीरास आवास में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां पानी की टंकी की सीढ़ी अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में 13 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के दौरान दो किशोर टंकी के ऊपर ही फंस गए, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत–बचाव कार्य शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, काशीरास आवास के पास घर–घर सप्लाई के लिए पानी का टंकी बना हुआ है। बताया जा रहा है कि दोपहर में आवास के आसपास के पांच बच्चे टंकी पर चढ़ गए थे। इसी बीच उतरते समय सीढ़ी भर भर कर गिर गई तीन नीचे चले आए जबकि दो इस पर सुरक्षित बैठे हुए फंसे हैं घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में एक मृत घोषित कर दिया गया।

हादसे में मृतक की पहचान सिद्धार्थ (13 वर्ष) पुत्र धर्मेंद्र, निवासी झूलनीपुर थाना मोहाना के रूप में हुई है। वहीं, घायल गोलू (14 वर्ष) पुत्र चंद्रेश, निवासी शास्त्रीनगर थाना सदर और सनी (11 वर्ष) पुत्र बरसाती, निवासी काशीराम आवास को तत्काल इलाज के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चे टंकी पर चढ़ रहे थे तभी उनकी सीढ़ी अचानक टूट गई और यह हादसा हो गया। इसी दौरान पवन (17 वर्ष) पुत्र मिथलेश और कल्लू (17 वर्ष) पुत्र जगीरउद्दीन टंकी के ऊपर ही फंस गए, जिन्हें सुरक्षित नीचे उतारने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों की मदद और प्रशासन की तत्परता से दोनों को सुरक्षित नीचे लाया गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि टंकी की हालत पहले से जर्जर थी, लेकिन समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई, जिसके चलते यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलने के बाद दम शिवशङ्कपा जीएन अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार घटनास्थल पर निरीक्षण किया। इसके बाद माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों का हाल–चाल जानने में पहुंचे हैं वहीं प्रशासन की टीम दोनों को उतारने के लिए प्रयास में जुटी रही।

फोरलेन के गड्ढे में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के जैनपुर में शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब फोरलेन सड़क किनारे नाले के लिए खोदे गए गड्ढे में एक युवक का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शव की पहचान जंगल डुमरी नंबर दो के लेहनी टोला निवासी 27 वर्षीय प्रदीप कुमार के रूप में हुई। प्रदीप 29 अप्रैल की शाम से लापता था। परिजनों को पहले लगा कि वह किसी बारात में गया होगा, लेकिन देर रात तक घर न लौटने पर उसकी तलाश शुरू की गई। शनिवार तड़के मॉर्निंग वॉक पर निकले ग्रामीणों को पेट्रोल पंप के पास गड्ढे से तेज दुर्गंध महसूस हुई। पास जाकर देखने पर एक युवक का शव दिखाई दिया, जिसका मुंह जमीन की ओर था। इसके बाद लोगों ने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि करीब 60 घंटे बाद शव मिलने से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस के अनुसार मृतक अविवाहित था और नशा करने की भी बात सामने आ रही है। पुलिस के मुताबिक मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्यार में पागल शादीशुदा युवक हाईटेंशन पोल पर चढ़ा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। प्यार में पागल एक शादीशुदा युवक ने शनिवार को हाईटेंशन विद्युत पोल पर चढ़कर हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने करीब एक घंटे तक समझाने–बुझाने के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा। मामला अहिरौली थाना क्षेत्र के यादवनगर खेमापुर का है। शनिवार को जैसे ही युवक हाईटेंशन विद्युत पोल पर चढ़ा, मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। युवक की पहचान भीटी कोतवाली के गोविंदापुर निवासी जितेंद्र निषाद पुत्र गिरधारी निषाद के रूप में हुई।

जानकारी के अनुसार जितेंद्र पहले से शादीशुदा है और उसकी एक बच्ची भी है। इसके बावजूद उसने होली से एक दिन पहले एक नाबालिग लड़की से शादी कर ली और चंडीगढ़ चला गया। वापस लौटने पर लड़की के परिजनों ने दोनों को अलग कर दिया और लड़की को लखनऊ भेज दिया। इस मामले में भीटी पुलिस पहले ही मुकदमा दर्ज कर चुकी है। लड़की से विछड़ने के बाद से आहत जितेंद्र ने पोल पर चढ़कर हंगामा करना शुरू कर दिया।

अहिरौली थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि युवक को करीब एक घंटे तक समझाया–बुझाया गया, जिसके बाद वह पोल से नीचे उतरने के लिए तैयार हुआ। उन्होंने बताया कि युवक के विरुद्ध आत्महत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर उसे पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 ब्याप्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 69 / 2025

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

मुबारक

बनाम

शकुन्तला आदि

1. शकुन्तला देवी पत्नी रामनाथ साकिन अहिरौली तिवारी तप्पा मसिना परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 2. राजेन्द्र कुमार पुत्र रामकरन 3. मंजू देवी पत्नी अनिल कुमार साकिन गौरा तप्पा मसिना परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 4. श्रीमती आकाशमती पत्नी बिहारी साकिन गौरी तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

5. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र पलकधारी साकिन गोवाई तप्पा अठरहापार तहसील फूलपुर जिला आजमगढ़ हाल मुकाम हाउस नं0–14975 वार्ड नं0–7 स्ट्रीट नम्बर–2 सुखदेव नगर तिव्या रोड लुधियाना पंजाब पिन नं0–1410071 –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग 6. शोहराव अली 7. शकील अहमद पुत्रगण मोहब्बत अली 8. हद्दीमुन्निशा पत्नी मोहब्बत अली 9. भुइधर 10. हरीलाल पुत्रगण दशरथ 11. जगराम 12. जमुना 13. रामलौट 14. राम किशोर पुत्रगण महादेव साकिनान मौजा अहिरौली तिवारी तप्पा मसिना परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–07–2026

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **17–07–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 2–5–2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर हद समायत अपील

वाद संख्–C202517000001190

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

अरविन्द सिंह

बनाम

ऊषा सिंह आदि

1. ऊषा सिंह पत्नी वीरेन्द्र सिंह 2. मंजीत सिंह 3. अजीत सिंह पुत्रगण वीरेन्द्र सिंह 4. तरूण सिंह पुत्र देवेन्द्र सिंह 5. कु0 शान्ती देवी पुत्री देवेन्द्र सिंह 6. श्रीमती विद्यावती पत्नी फौजदार सिंह 7. राजेन्द्र सिंह पुत्र वीर सिंह साकिनान मौजा रानीपुर लाद तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती 8. ग्राम पंचायत रानीपुर लाद तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती द्वारा ग्राम प्रधान

तारीख पेशी 08–05–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 08 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिब हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 02 माह 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान अति0 उप जिलाधिकारी प्रथम बस्ती जिला बस्ती

वाद सं0

धारा 24

जय प्रकाश

बनाम

सरकार

ग्राम ढोरिका तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 1. रत्नेश कुमार सिंह पुत्र स्व0 ओम प्रकाश सिंह ग्राम ढोरिका तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–05–2026

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 05 के 05 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2026 के 05 माह के 02 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 1106 / 2011

रामशंकर आदि

बनाम

मंगल प्रसाद आदि

3/1/1 सन्तोष पुत्र ह्रदयनरायन मृतक 3/1/2 अवधेश कुमार पुत्र ह्रदयनरायन मृतक 3/1/3 घनश्याम पुत्र ह्रदयनरायन 3/1/4 अतुल पुत्र ह्रदयनरायन3/1/5 श्रीमती शकुन्तला उर्फ शकुन्तला देवी पत्नी ह्रदयनरायन मृतक निवासीगण मौजा बड़कुईया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–05–2026

हरगाह मुदद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुदद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 14 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

समाधान दिवस में लेखपाल की संपत्ति के जांच की मांग

संवाददाता–गोरखपुर। तहसील सदर समागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों के साथ फरियादियों की संख्या कम रही प्रमुख अधिकारियों की मौजूदगी नहीं होने के कारण कुछ फरियादी बिना आवेदन दिए ही लौट गए। समाधान दिवस की अध्यक्षता तहसीलदार ज्ञान प्रताप सिंह की, जबकि एसपी सिटी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।जंगल कौड़िया क्षेत्र के एक शिकायतकर्ता ने लेखपाल पर आए से अधिक संबंधित अर्जित करने का आरोप लगाया और साथियों के आधार पर की मांग की। उसके बाद लोगों में चर्चा होने लगी कि लेखपाल के खिलाफ कौन–कौन से साक्ष्य लगाए गए हैं।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना अदालत–श्रीमान जे0ए0म0 / एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 370 / 2025

थाना–हरैया

जिला–बस्ती

प्रतिमा मिश्रा

बनाम

राजनरायन मिश्र आदि

1. राजनरायन मिश्र उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र रामअभिलाष मिश्रा 2. गुडसा देवी उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी राजनरायन मिश्र 3. अरविन्द मिश्र उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र राजनरायन मिश्र 4. रजनीश मिश्र उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र अरविन्द मिश्र समस्त निवासीगण मौजा बिशुनपुरा थाना कप्तानगंज जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–05–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषों) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 17 मास 05 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल**bhartiyabasti@gmail.com**

dainikbhartiyabasti@gmail.com